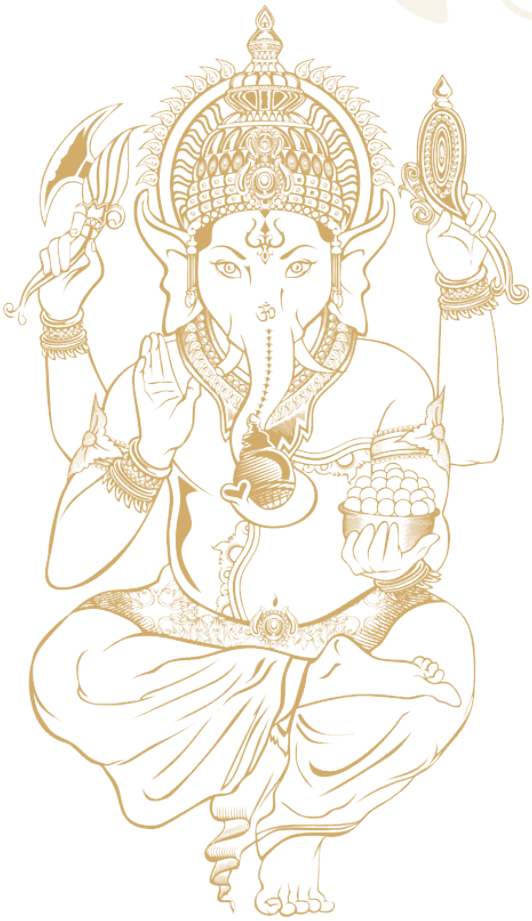

Mr.Ashish

Ms.jyoti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119999701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119999701 Date: 04/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/09/1989	जन्म तिथि	29/06/1988
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:15:00	जन्म समय	13:36:00 घंटे
घटी 00:26:52	जन्म समय(घटी)	20:44:29 घटी
India	देश	India
Bareilly	स्थान	Secunderabad
28:20:00 उत्तर	अक्षांश	17:27:00 उत्तर
79:24:00 पूर्व	रेखांश	78:27:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:24	स्थानिक संस्कार	-00:16:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:15	सूर्योदय	05:44:57
18:00:53	सूर्यास्त	18:54:16
23:42:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:41:51

कन्या	लग्न	तुला
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	धनु
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	मूल
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	3
शुक्ल	योग	ब्रह्म
चतुष्पाद	करण	विष्टि
टो-टोनी	जन्म नामाक्षर	भा-भावना
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
गौ	योनि	श्वान
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मूषक

Nakshatra jyotish Ratan kendra
C-10 Rajendra Nagar Bareilly
919458160000
amitkalra40@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 4मा 6दि		13:42:54	कन्या	लग्न	तुला	02:33:46	केतु 3वर्ष 0मा 11दि	
राहु		12:08:38	कन्या	सूर्य	मिथु	14:05:47	चन्द्र	
04/02/2010		02:33:09	कन्या	चंद्र	धनु	07:33:32	11/07/2017	
05/02/2028		12:23:46	कन्या	मंगल	कुंभ	29:01:05	11/07/2027	
राहु	17/10/2012	04:05:29	कन्या व	बुध	वृष	25:13:08	चन्द्र	11/05/2018
गुरु	13/03/2015	15:43:13	मिथु	गुरु	वृष	02:00:59	मंगल	10/12/2018
शनि	17/01/2018	25:21:36	तुला	शुक्र व	वृष	20:46:30	राहु	10/06/2020
बुध	05/08/2020	13:50:27	धनु	शनि व	धनु	04:54:04	गुरु	10/10/2021
केतु	24/08/2021	01:36:45	कुंभ व	राहु व	कुंभ	22:52:53	शनि	11/05/2023
शुक्र	24/08/2024	01:36:45	सिंह व	केतु व	सिंह	22:52:53	बुध	10/10/2024
सूर्य	18/07/2025	07:46:25	धनु	हर्ष व	धनु	04:59:11	केतु	11/05/2025
चन्द्र	17/01/2027	15:54:30	धनु	नेप व	धनु	15:08:40	शुक्र	10/01/2027
मंगल	05/02/2028	19:53:14	तुला	प्लूटो व	तुला	16:10:54	सूर्य	11/07/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:42:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:41:51

लग्न-चलित

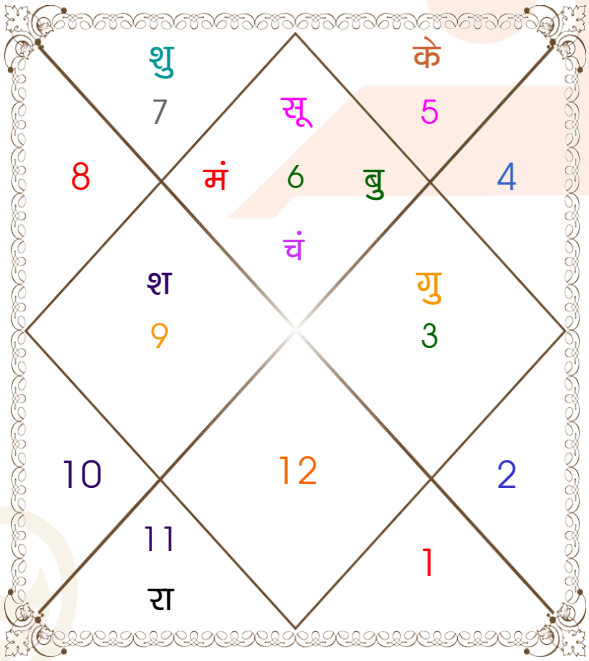

लग्न-चलित

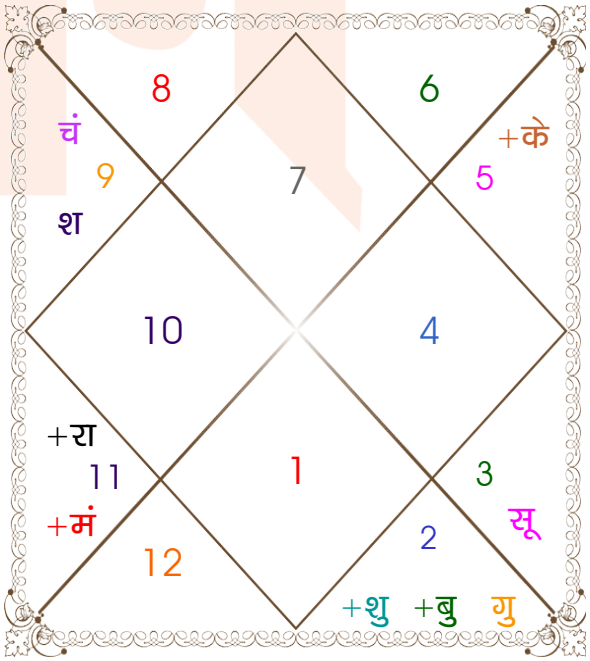

Nakshatra jyotish Ratan kendra
C-10 Rajendra Nagar Bareilly
919458160000
amitkalra40@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

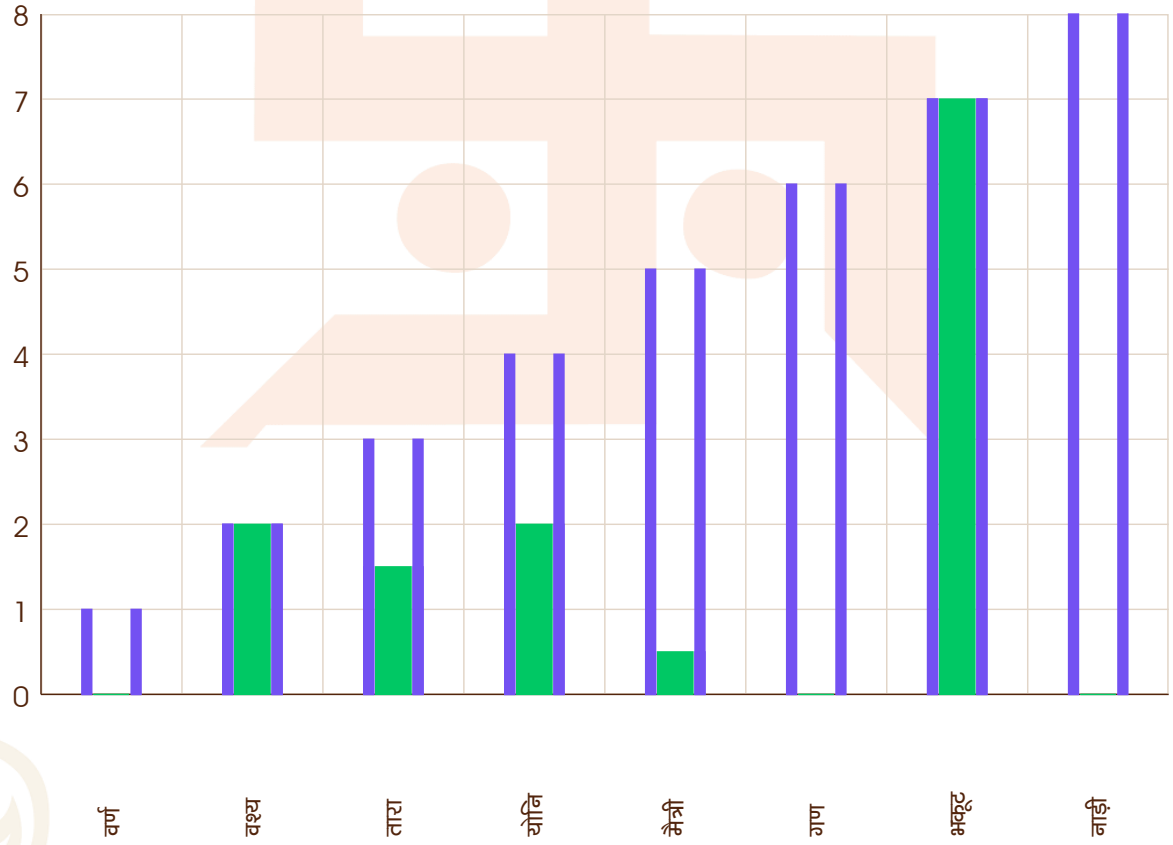

Nakshatra jyotish Ratan kendra
C-10 Rajendra Nagar Bareilly
919458160000
amitkalra40@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.Ashish का वर्ग श्वान है तथा Ms.jyoti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Ashish और Ms.jyoti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Ashish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.Ashish कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.jyoti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.jyoti कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Ashish तथा Ms.jyoti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Ashish का वर्ण वैश्य है तथा Ms.jyoti का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ms.jyoti का वर्ण Mr.Ashish के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ms.jyoti अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ms.jyoti को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Mr.Ashish का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.jyoti का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.Ashish एवं Ms.jyoti दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.Ashish की तारा विपत तथा Ms.jyoti की तारा मित्र है। Mr.Ashish की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Ashish एवं Mr.Ashish के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms.jyoti हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms.jyoti को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr.Ashish की योनि गौ है तथा Ms.jyoti की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Ashish का राशि स्वामी Ms.jyoti के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.jyoti का राशि स्वामी Mr.Ashish के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.Ashish का गण मनुष्य तथा Ms.jyoti का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.jyoti का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr.Ashish एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr.Ashish से Ms.jyoti की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Ms.jyoti से Mr.Ashish की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Ashish परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Ms.jyoti घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम,

सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Mr.Ashish की नाड़ी आद्य है तथा Ms.jyoti की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Ashish एवं Ms.jyoti दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Ashish की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Ms.jyoti की राशि अग्नितत्व युक्त धनु राशि है। पृथ्वी एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Mr.Ashish और Ms.jyoti के मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान रहेंगी परन्तु अपनी बुद्धिमता एवं सामंजस्यशील प्रवृति के कारण इसके प्रभाव में न्यूनता होगी जिससे संबधों में मधुरता रहेगी। अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Mr.Ashish की राशि का स्वामी बुध तथा Ms.jyoti की राशि का स्वामी बृहस्पति क्रमशः परस्पर शत्रु एवं समभाव में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Mr.Ashish और Ms.jyoti एक दूसरे के गुणों को तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे आपसी संबधों में समय समय पर तनाव तथा कटुता का वातावरण उत्पन्न होगा एवं एक दूसरे की आलोचना तथा बुराई करेंगे। अतः यदि बुद्धिमता पूर्वक Mr.Ashish और Ms.jyoti परस्पर एक दूसरे को समझने का प्रयास करें तो उनका जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr.Ashish और Ms.jyoti की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। इसको शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे का स्वतंत्र अस्तित्व भी स्वीकार करेंगे। अतः आपसी संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद प्राप्त करने में समर्थ होंगे।

Mr.Ashish और Ms.jyoti दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे ।

Mr.Ashish का वर्ण वैश्य तथा Ms.jyoti का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Ms.jyoti की कार्य क्षमता Mr.Ashish से अधिक रहेगी । Mr.Ashish धनार्जन की प्रवृति से युक्त रहेंगे तथा वणिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे परन्तु Ms.jyoti की प्रवृति परिश्रमी पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने की रहेगी। अतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

Mr.Ashish और Ms.jyoti दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन

धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Ashish और Ms.jyoti दोनों ही आद्य नाड़ी में हुए है। यद्यपि सामान्य रूप से यह नाड़ी दोष बनता है जिससे इनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा इनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है परन्तु Ms.jyoti के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव होगा तथा साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Ms.jyoti को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.Ashish और Ms.jyoti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.jyoti के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.jyoti को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.Ashish और Ms.jyoti बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.Ashish और Ms.jyoti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.jyoti के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ms.jyoti को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ms.jyoti भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी

तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ms.jyoti को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ms.jyoti उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ms.jyoti के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ms.jyoti के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.Ashish की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.Ashish सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.Ashish ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.Ashish के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।